Date :- 26-05-2025

Dainik Bhaskar, Page-ii, Surat

भास्कर एक्सक्लूसिव जर्मनी की संस्था से फंड लेकर बनाएंगे MMI, टेंडर प्रक्रिया चल रही

खास होंगे हमारी मेट्रो के 16 स्टेशन: ट्रेन से उतरते ही बस-ऑटो, टैक्सी और बाइक मिल जाएगी

- मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन (MMI) पहले मेट्रो फेज-1 के स्टेशनों पर तैयार होगा

लवकुश मिश्रा | सूरत

सूरत मेट्रो के स्टेशनों पर सिर्फ ट्रेन की ही सुविधा नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट के अन्य साधन भी मिलेंगे। मेट्रो प्रशासन ने 16 स्टेशनों पर 'मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन' (MMI) सिस्टम की योजना बनाई है। इन सभी स्टेशनों से यात्रियों को बस, ऑटो, टैक्सी, बाइक, साइकिल आदि की सुविधा मिलेगी। मेट्रो ट्रेन से उतरने के बाद यात्रियों को यातायात के अन्य साधनों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए हर मेट्रो स्टेशन के पास 'मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन' (MMI) सिस्टम बनेगा।

गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (GMRC) ने सूरत मेट्रो फेज-1 के तहत 16 मेट्रो स्टेशनों पर 'मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन' का काम शुरू करने के लिए टेंडर मंगाए हैं। इस काम के लिए जर्मनी की वित्तीय संस्था KfW से फंडिंग ली जा रही है। टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। सूरत मेट्रो प्रशासन के अनुसार इस एमएमआई का उद्देश्य है कि यात्री मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलते ही सीधे ऑटो, बस, टैक्सी या साइकिल जैसे विकल्पों से अपनी यात्रा जारी रख सकें। यह प्रोजेक्ट इंटरनेशनल बिडिंग प्रक्रिया के तहत हो रहा है।

GMRC: 16 मेट्रो स्टेशनों के पास मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन प्रोजेक्ट साकार होगा

एमएमआई से यात्रियों को ये फायदे होंगे

- मेट्रो से उतरते ही दूसरी सवारी मिलेगी, जिससे यात्रा का समय और खर्च दोनों बचेंगे।
- स्टेशन पर ही ऑटो और बस जैसे विकल्प मिलेगा।
- बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक सिस्टम बनेगा।
- ट्रैफिक कम होगा, क्योंकि लोग निजी वाहनों के बजाय मेट्रो के साथ पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करेंगे।

इन 16 मेट्रो स्टेशनों पर MMI होगा

- ड्रीम सिटी
- कन्वेंशन सेंटर
- भीमराड
- वीआईपी रोड
- अलथान गाम
- अलथान टेनामेंट
- रुपाली कैनाल
- मजूरा गेट
- कादरशा की नाल
- चौक बाजार
- मस्कती हॉस्पिटल
- सूरत रेलवे स्टेशन
- सेंट्रल वेयरहाउस
- लाभेश्वर चौक
- कापोद्रा रैंप
- वुमन आईटीआई

स्मार्ट सिटी सूरत का सार्वजनिक परिवहन भी स्मार्ट होगा, लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

फंडिंग अभी फाइनल नहीं, लेकिन तैयारी पूरी है जीएमआरसी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग की प्रक्रिया अभी पूरी तरह फाइनल नहीं हुई है। हालांकि, बिडिंग तैयार कर ली गई है, ताकि जैसे ही फंड रिलीज हो, काम शुरू किया जा सके। सूरत पहले से ही स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में देशभर में टॉप पर रहा है। अब मेट्रो के साथ मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन जुड़ने से यह सिस्टम और स्मार्ट हो जाएगा। यह सुविधा न सिर्फ स्थानीय नागरिकों के लिए, बल्कि बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए भी बड़ी राहत लेकर आएगी।

भास्कर नॉलेज

मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन का मतलब बस-ऑटो, टैक्सी, बाइक जैसे साधन एक ही जगह मिलना

मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन का मतलब है कि यातायात के साधन जैसे बस, ऑटो, टैक्सी, बाइक शेयरिंग की सुविधा एक ही जगह पर मिलना। यात्री जब मेट्रो ट्रेन से उतरेंगे तो उन्हें ये साधन आसानी से मिल जाएंगे और उन्हें अपने गंतव्य तक जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन को खासतौर पर डिजाइन किया जाएगा। फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, ऑटो-टैक्सी स्टैंड, बस स्टॉप, पार्किंग, डिजिटल साइनबोर्ड जैसी सुविधाएं इसमें शामिल होंगी।